

- 22 असिकं त्वधः ॥ ५८१ ॥
 23 असिकायस्तु चिबुकं
 24 स्याद्दन्तः सूक्ष्माः परः ।
 25 गच्छात्परः कपोलश्च
 26 परो गण्डः कपोलतः ॥ ५८२ ॥
 27 ततो हनुः
 28 श्मश्रु कूर्चमास्यलोम च मासुरी ।
 29 दाढिका दंष्ट्रिका
 30 दाढा दंष्ट्रा जम्भो
 31 द्विजा रदाः ॥ ५८३ ॥
 32 रदना दशना दन्ता दंशबादनमलकाः ।
 33 राजदन्तौ तु मध्यस्थावुपरिश्रेणिकौ क्वचित् ॥ ५८४ ॥
 34 रसज्ञा रसना त्रिह्वा लोला
 35 तालु तु काकुदम् ।
 36 सुधास्रवा घण्टिका च लम्बिका गलशुण्डिका ॥ ५८५ ॥
 37 कंधरा धमनिर्योवा शिरोधिश्च शिरोधरा ।
 38 सा त्रिरेखा कम्बुग्रीवा-

22. Die Gegend zwischen der Unterlippe und dem Kinn. — 23. Kinn. — 24—26. Drei verschiedene Gegenden der Wange zwischen Mundwinkel und Ohrgrube (3 W.). — 27. Kinnbacken. — 28. Bart (4 W.). — 29. Schnurrbart? (2 W.). — 30. Augenzahn (3 W.). — 31. 32. Die Zähne (8 W.). — 33. Die beiden Mittelzähne; nach Andern: die beiden Mittelzähne in der obern Kinnlade. — 34. Zunge (4 W.). — 35. Gaumen (2 W.). — 36. Zäpfchen im Halse (4 W.). — 37. Hals (5 W.). — 38. Hals mit drei Falten.